मेरा कॉलम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

तर्पण का आखिरी घूंट

बनारस के मणिकर्णिका घाट पर चिताओं की लपटें आसमान को इस तरह चाट रही थीं जैसे कोई भूखा कुत्ता आखिरी हड्डी पर झपट रहा हो। पंडित भालचंद्र शास्त्री अपने फटे हुए झोले को छाती से चिपकाए घाट की आखिरी सीढ़ी पर बैठे थे जहाँ गंगा का मटमैला पानी उनके जर्जर पैरों को बार-बार छूकर लौट जाता था। लोग उन्हें सनकी समझते थे क्योंकि वे हर आती-जाती लाश को देखकर एक अजीब सी हँसी हँसते थे जिसमें व्यंग्य का नमक और भीतर बहते जख्मों का मवाद एक साथ घुला होता था। आज सुबह से ही शहर में एक अजीब सा सन्नाटा था मानो हवा ने अपनी सांसें रोक ली हों और घाट पर आने वाले डोम राजा भी मौन व्रत धारण कर चुके हों। भालचंद्र जी ने अपनी धुंधली आँखों पर चश्मा टिकाया और सामने जलती एक अनाम चिता की राख को उड़ते देखा तो उनके भीतर एक बेनाम करुणा का ज्वार उठा जो सीधे आत्मा के कपाट खटखटाता है। उन्होंने अपने झोले में हाथ डाला और उस मुड़े-तुड़े कागज़ को टटोला जिसके भीतर पूरे अस्सी साल की मुफ़लिसी और एक ऐसा गहरा राज़ दफ़न था जिसकी भनक इस घाट पर खड़े किसी भी ज़िंदा इनसान को नहीं थी। तभी उनके पीछे से एक कड़कती आवाज़ आई जिसने सन्नाटे को चीर दिया और भालचंद्र जी का पूरा बदन काठ की तरह कड़ा हो गया।

अरे ओ शास्त्री बाबू, आज कौने जनम का बदला चुकाने के लिए यहाँ आसन जमाए बैठे हो? घाट के पुराने मल्लाह घसीटे ने अपनी नाव की पतवार को ज़मीन पर पटकते हुए कहा। भालचंद्र जी ने पलटकर देखा और एक ठंडी आह भरकर बोले घसीटे, जब ज़िन्दगी खुद एक बहुत बड़ा बदला बन जाए तो मौत का तमाशा देखने में ही असली तृप्ति मिलती है, आज यहाँ एक ऐसा मुसाफ़िर आने वाला है जिसका इंतज़ार मैं पिछले चालीस सालों से कर रहा हूँ। घसीटे ने तंबाकू थूकते हुए कहा काहे जवानी के मुर्दों को उखाड़ रहे हो बाबू, यहाँ तो रोज़ सैकड़ों आते हैं और माटी में मिल जाते हैं, तुम्हारा कौन सा ऐसा सगा छूट गया है जिसके लिए आँखों का पानी सुखाकर पत्थर हो गए हो? भालचंद्र जी ने मुस्कुराने की नाकाम कोशिश की पर उनकी आँखों के कोरों से दो बूंद आंसू टपककर सीधे गंगा के आंचल में समा गए मानो वे पानी से ही पानी का हिसाब मांग रहे हों। उन्होंने कहा ÷सगा तो वह था जिसने मुझे यह बेनाम दर्द दिया था ताकि मैं भीतर ही भीतर जलता रहूँ और दुनिया समझे कि मैं बहुत सुखी हूँ, आज उसका आखिरी हिसाब होना है और इस घाट पर आज कोई चिता बिना आग के जलेगी। घसीटे को उनकी बातें पहेली जैसी लगीं पर भालचंद्र जी के चेहरे का वह भयानक सन्नाटा देखकर उसकी भी हिम्मत आगे कुछ पूछने की नहीं हुई।

तभी घाट के ऊपरी हिस्से से एक बहुत बड़ा काफिला उतरता हुआ दिखाई दिया जिसमें सफेद कुर्ता-पायजामा पहने बड़े-बड़े वीआईपी और सरकारी अफ़सर शामिल थे। एक सजी-धजी अर्थी को कंधे पर उठाए लोग बड़े रुआंसे चेहरे बनाकर चल रहे थे और उनके पीछे चल रही गाड़ियों का काफिला शहर के सबसे बड़े रईस और दानवीर सेठ दीनानाथ की मौत का ढिंढोरा पीट रहा था। भालचंद्र जी अपनी जगह से उठ खड़े हुए और उनके चेहरे पर एक ऐसा भयानक व्यंग्य उभर आया जैसे कोई बहेलिया अपने जाल में फड़फड़ाते पंछी को देखकर मुस्कुराता है।

अरे ओ पंडित जी, ज़रा रुकिए और मुझे इस महान आत्मा का तर्पण करने का पहला हक दीजिए क्योंकि इसके पापों का घड़ा भरने में मेरा ही खून लगा है भालचंद्र जी ने अपने झोले से वह मुड़ा-तुड़े कागज़ निकालकर पुरोहित के हाथ में थमाते हुए कहा। पुरोहित ने गुस्से में आकर कहा पागल हो गए हो क्या भालचंद्र, यह सेठ दीनानाथ हैं जिन्होंने इस शहर के सैकड़ों अनाथालयों और अस्पतालों को करोड़ों का दान दिया है, तुम जैसे भिखारी का इनसे क्या वास्ता? भालचंद्र जी ने गरजकर कहा वास्ता जानना चाहते हो तो इस कागज़ को पढ़ो जिसे यह मसीहा पिछले चालीस सालों से मुझसे छीनने की कोशिश कर रहा था और जिसके लिए इसने मेरी जवान बेटी और पत्नी को भूखा मार डाला था। उस कागज़ पर लिखा था कि सेठ दीनानाथ कोई दानवीर नहीं बल्कि एक बहुत बड़ा अंतरराष्ट्रीय तस्कर था जिसने भालचंद्र जी की जीवनभर की मेडिकल रिसर्च और जीवन रक्षक दवाओं के फार्मूले को चोरी करके अरबों रुपये कमाए और भालचंद्र जी को पागल घोषित करवाकर सड़क पर भीख मांगने के लिए छोड़ दिया था। उपस्थित भीड़ में कानाफूसी होने लगी और हर कोई स्तब्ध रह गया क्योंकि जिसे वे भगवान समझ रहे थे वह दरअसल एक शैतान का मुखौटा पहने बैठा था।

तभी उस अर्थी के पास सेठ जी का इकलौता बेटा रोता हुआ आया और उसने भालचंद्र जी के पैर पकड़ लिए और बोला ÷चाचा, मुझे माफ़ कर दो, मेरे पिता ने मरते समय मुझसे कहा था कि जब तक पंडित भालचंद्र शास्त्री मुझे मुखाग्नि नहीं देंगे, तब तक मेरी आत्मा को मुक्ति नहीं मिलेगी और मैं भटकता रहूँगा। भालचंद्र जी ने तड़पकर अपने पैर पीछे खींच लिए और रोते हुए बोले मुक्ति, जिसने मेरी पूरी दुनिया को ज़िंदा चिता में झोंक दिया, वह आज मुझसे मुक्ति की भीख मांग रहा है, मैं तो यहाँ उसकी लाश पर थूकने आया था ताकि मेरी आत्मा को शांति मिल सके।

बेटे ने हाथ जोड़कर कहा पिताजी ने अपनी वसीयत में अपनी पूरी संपत्ति आपके नाम कर दी है और वे अपनी गलती का पश्चाताप करना चाहते थे, कृपया उन्हें माफ़ कर दीजिए। भालचंद्र जी ने उस कागज़ को देखा और उसे हवा में उड़ाते हुए कहा मुझे तुम्हारी यह दौलत नहीं चाहिए जो मेरे अपनों के खून से सनी है, मुझे तो सिर्फ मेरा वह सम्मान चाहिए था जो इस समाज ने मुझसे छीनकर एक कातिल को दे दिया था।

चारों तरफ सन्नाटा छा गया और लोग रोने लगे क्योंकि भालचंद्र जी की आँखों की वह अंतहीन पीड़ा अब पूरे घाट पर फैल चुकी थी। तभी भालचंद्र जी ने उस अर्थी के पास जाकर कफन हटाया तो उनके पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई और आँखों से आंसुओं का ऐसा सैलाब बहा जिसने उनके बूढ़े चेहरे की झुर्रियों को पूरी तरह भिगो दिया। अर्थी पर सेठ दीनानाथ का शव नहीं था बल्कि वहाँ भालचंद्र जी के उस इकलौते बेटे का शव पड़ा था जो तीस साल पहले मेले में खो गया था और जिसे सेठ दीनानाथ ने गोद लेकर पाला-पोसा और अपना सब कुछ सौंप दिया था।

वह बेटा जो भालचंद्र जी को ढूंढते हुए इस शहर में आया था और पिता के गम में तड़प-तड़पकर कल रात दिल का दौरा पड़ने से मर गया था, और उसने मरने से पहले अपने पालक पिता दीनानाथ के नाम का सहारा लेकर यह पूरा स्वांग रचा था ताकि वह अपने असली पिता को ढूंढ सके। भालचंद्र जी चीख मारकर अपने ही बेटे की लाश पर गिर पड़े और चिल्लाए हे भगवान, यह कैसा न्याय है, मैं जिसे अपना दुश्मन समझकर कोस रहा था, वह तो मेरा ही अंश था जो मुझे ढूंढते-ढूंढते खुद लाश बन गया। मणिकर्णिका की आग जलती रही और एक पिता अपनी ही कोख के उजाले को मुखाग्नि देने के लिए मजबूर हो गया, जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

रोड व पानी की समस्याओं को लेकर वार्ड 17 के रहवासियों ने नगर पालिका का किया घेराव

सनावद (विजय गुप्ता) ओंकारेश्वर रोड स्थित वार्ड क्रमांक 17 के स्थानीय रहवासियों ने रोड व पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर नगर पालिका का घेराव किया । नगर पालिका में अध्यक्ष व सीएमओ के नहीं होने पर जमकर नारेबाजी की तथा जमीन पर बैठकर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया।

समस्याओं से परेशान रहवासियों ने नगर पालिका में किया सामूहिक हनुमान चालीसा का किया पाठ

मामले की जानकारी मिलते ही नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि इंदर बिरला, नपा अधिकारी व अन्य पार्षद पालिका पहुंचे । समस्याओं से नाराज महिलाओं ने अध्यक्ष व नगर पालिका स्टाफ को जमकर खड़ी खोटी सुनाई ।

निलेश मालाकार ने बताया कि वार्ड क्रमांक 17 माली कॉलोनी की रोड को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व अमृत योजना के नाम पर खोद दिया गया तथा संबंधित ठेकेदार के द्वारा जगह-जगह पर बड़े-बड़े गड्ढे कर छोड़ दिए नालियों के ऊपर बने चैंबरों की भी मरम्मत तक नहीं करवाई गई।

जिसके चलते पूरे कॉलोनी में बारिश के मौसम में कीचड़ पसरा हुआ रहता है नालियों का पानी रोड़ पर जमा हो रहा है जिसके कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है नगर पालिका को लगातार शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदारों द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।

रहवासी महिला रक्षा तिरोले, रानू चौहान में बताया कि वार्ड में बीते 1 साल से अधिक समय हो गया है जहां पर नियमित पानी सप्लाई नहीं हो रहा है एक दिन छोड़कर पानी मिलता है उसका भी कोई समय निश्चित नहीं होता वार्ड में बारिश के मौसम में भी जल संकट जैसी स्थिति निर्मित हो गई है नर्मदा के पानी के अलावा वार्ड में पानी के अन्य कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है जिससे पानी के लिए भी आम नागरिकों को परेशान होना पड़ रहा है । पानी की समस्या इस हद तक है कि नालों में पानी का प्रेशर तक नहीं आ रहा है ।

इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर, ओमकारलाल मेवाड़, दिनेश कचावे, दिलीप गीते, ममता मार्कण्डेय, सपना मालाकार, सुमित्रा यादव, संगीता बाई, श्यामा बाई कर्मा, संजू बाई, माया मालाकार, शारदा माली, अनिता माली, सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद थे ।

अध्यक्ष प्रतिनिधि इंदर बिरला व नपा अधिकारियों ने किया वार्ड का निरीक्षण ः- दोपहर में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि इंदर बिरला, उपयंत्री बलिराम बिरला दरोगा, हारून बेग, व अन्य नगर पालिका के अधिकारी वार्ड में पहुंचे तथा वार्ड की प्रत्येक गलियों का निरीक्षण कर जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया इस दौरान नगर में अमृत योजना का कार्य कर रहे ठेकेदार को भी मौके पर बुलाकर जमकर फटकार लगाई और जल्द से जल्द टूटे हुए चैंबर एवं रोड की मरम्मत करवाने की बात कही ।

रेलवे संघर्ष समिति, बुरहानपुर ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल से की सौजन्य भेंट, विभिन्न ट्रेनों के स्टॉपेज हेतु ज्ञापन दिया

बुरहानपुर । रेलवे संघर्ष समितिए बुरहानपुर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल से सौजन्य भेंट कर उनका स्वागत किया तथा बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर विभिन्न महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग हेतु ज्ञापन दिया ।

समिति के अध्यक्ष हमीद भाई सुपारीवाला ने सांसद को अवगत कराया कि लंबे समय से जिले के नागरिकों को खंडवा से बुरहानपुर आने के लिए शाम 4रू30 बजे के बाद कोई ट्रेन उपलब्ध नहीं हैए जिसके कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान हेतु उन्होंने गोरखपुरदृलोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के बुरहानपुर में स्टोपेज की मांग की। इसके साथ ही ज्ञान गंगा एक्सप्रेसए अमृत भारत एक्सप्रेसए सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग भी रखी । उन्होंने कहा कि इन ट्रेनों के बुरहानपुर में स्टोपेज न केवल जिले एवं आसपास के क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगीए बल्कि व्यापारए शिक्षाए रोजगार एवं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। समिति के उपाध्यक्ष मंसूर सेवक ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल से आग्रह किया कि वे रेल मंत्रालय एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें । समिति के सचिव विवेक हक्कीम ने बताया कि सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने समिति की मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों एवं रेल मंत्रालय के समक्ष इन ट्रेनों के स्टॉपेज का विषय प्रभावी ढंग से उठाने का आश्वासन दिया । भेंट के दौरान शाहपुर मराठा समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित थे । उन्होंने रेलवे संघर्ष समिति द्वारा उठाई गई ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग का पूर्ण समर्थन करते हुए भविष्य में भी समिति के साथ मिलकर इस जनहित के अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समाजसेवी रामकुमार अग्रवाल ने भी ट्रेनों के स्टॉपेज की मांग का समर्थन करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की तथा रेलवे संघर्ष समिति को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में रेलवे संघर्ष समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

प्रशासन से बेखौप होकर जारी है मौत का सफर

पलसूद। (इंदौर समाचार) जब भी कोई बड़ा हादसा होता है! और निर्दोषों की जान जाती है तब प्रशासन कुंभकरणीय नींद से जागकर कुछ एक वाहनों के चालान काटकर अपने फर्ज से इतिश्री कर लेता है! पिछले दिनों बड़वानी जिले में पिकअप वाहन पलटने से कई लोगों की जान गई प्रशासन ने एक-दो दिन चालानी कार्रवाई कर अपने फर्ज से इति श्री कर ली उसके बाद का नजारा आपके सामने है! वैसे तो इस तरह के नजारे हर जगह देखने को मिल जाएंगे मगर पलसूद से राजपुर जान हथेली पर लेकर मजदूरी करने जा रहें इंदौर समाचार के प्रतिनिधि द्वारा प्रत्यक्ष रूप से देखा गया प्रशासन से निडर होकर किस तरह निजी वाहन मालिक अपने मुनाफे के लिए गरीब लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं! पिकअप एवं तूफान वाहन में खचाखच सवारी भरकर एवं वाहन के चारों ओर जानवरों की तरह लटका कर परिवहन कर रहे हैं! और लोग भी अपनी जान जोखिम में डालकर इस तरह की यात्रा कर रहे हैं! ऐसा नहीं है! कि इस रूट पर बसे नहीं चलती इस रूट पर प्रत्येक 10 मिनट में बस मिल जाती है! मगर इस तरह की यात्रा समझ से परे है।

प्रस्तुत है समाचार शैली में तैयार सामग्री

15 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, श्रद्धालुओं से रथ खींचकर धर्मलाभ लेने की अपील

नागदा जं. निप्र। श्री गोवर्धननाथजी हवेली, नागदा से बुधवार 15 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथजी की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा का शुभारंभ सायं 4 बजे श्री गोवर्धननाथ जी हवेली से होगा।

पुष्टिमार्गीय वैष्णव परिषद, नागदा द्वारा आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। परिषद ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से रथयात्रा में सहभागी बनने तथा अपने हाथों से भगवान श्री जगन्नाथजी का रथ खींचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है। परिषद ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रथयात्रा को सफल एवं भव्य बनाने का आग्रह किया है।

महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे का भव्य स्वागत

सनावद(विजय गुप्ता) भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे के सनावद आगमन पर भाजपा की पूर्व जिला मंत्री अश्विनी चौधरी के नेतृत्व में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया । इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी डॉ. सारिका पगारे, उपाध्यक्ष आंजना पटेल का भी आत्मीय स्वागत किया गया । तत्पश्चात महिला सशक्तिकरण, संगठन की मजबूती एवं सामाजिक सहभागिता पर विचार-विमर्श किया गया । इस दौरान अंकिता जैन, ज्योति येवतीकर, सुनीता वर्मा, कीर्ति सलोनी, राम मोरानिया, कमला भावड़िया, पदमा लोनकर, मंजू मोरानिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं । प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने समिति की वरिष्ठ महिलाओं शोभा चौधरी, कमला भावड़िया, गुरमीत कौर होरा, पदमा लोनकर एवं संरिता जैन का शाल-श्रीफल भेंटकर सम्मान किया । कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया ।

दस्तक अभियान सह स्टॉप डायरिया अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त तक

बुरहानपुर। सोमवार को कलेक्टर श्री हर्ष सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत ष्दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियानष् की तैयारिया एवं प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

अभियान के सफल संचालन हेतु सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें. कलेक्टर श्री सिंह

जिले में वर्ष 2026.2027 अंतर्गत दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्तए 2026 तक आयोजित रहेगाए जिसमें 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अभियान के तहत दवा उपलब्ध करायी जायेगी। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार विभाग को इस अभियान के तहत 91913 का लक्ष्य दिया गया हैं।

अभियान के दौरान बच्चों को ओआरएस पैकेट,जिंक टेबलेट, विटामिन.एए आएफ, का अनुपूरण, घर.घर जाकर ए.एन.एम, आशा व आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा प्रदाय किया जायेगा।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि दस्तक अभियान के अंतर्गत प्रत्येक पात्र बच्चे तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए तथा अभियान के दौरान निर्धारित सभी गतिविधियाँ शासन के दिशा.निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाएँ। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्यए महिला एवं बाल विकासए पंचायतए शिक्षा सहित अन्य संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

तहसील और एसडीएम.कोर्ट की समस्याओं को लेकर अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीयो ने की कलेक्टर से सौजन्य भेंट

बुरहानपुर। प्रायः यह देखने में आता है कि समय समय पर कलेक्टर बुरहानपुर के द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों के मध्य राजस्व प्रकरण संबंधी कार्य का विभाजन कर तो दिया जाता है, मगर उसकी कोई लिखित सूचना अधिवक्ता संघ तक नहीं पहुंचने के कारण राजस्व न्यायालय में पैरवी कर रहे वकीलों को काफी परेशानी और असुविधा का सामना करना पड़ता है,इसलिए बहुत आवश्यक है

कि यदि जिला दंडाधिकारी द्वारा राजस्व न्यायालय के कार्य का विभाजन अधीनस्थ अनुविभागीय अधिकारीए एडीएम अथवा तहसीलदार और नायब तहसीलदार के मध्य किया जाता है तो उसकी विस्तृत जानकारी का पत्र जिला अधिवक्ता संघ को समय के साथ प्रेषित किया जाना चाहिए।

यह बात अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण वाघ और सचिव एडवोकेट संतोष देवताले ने आज कलेक्टर और जिला दंडाधिकारी हर्ष सिंह से उनके कार्यालय में सौजन्य भेंट कर वकीलों को आ रही असुविधा से अवगत कराया। इस अवसर पर अधिवक्ता राजेन्द्र शाह और भागवत प्रजापति ने भी सर्टिफाइड कॉपी प्राप्त करने में लग रहे अनावश्यक शुल्क तथा सत्यापित प्रति प्रदान करने में हो रही देरी के विषय को लेकर भी समस्या से अवगत कराया।

इसके साथ ही साथ एसडीएमण् कोर्ट में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के प्रकरणों में जमानत की तस्दीकए वास्ते पक्षकार और अधिवक्ताओं को शाम 6रू00 चण्ड्ण् से 8रू30 बजे तक प्रतीक्षा करना पड़ता है इसलिए इसका समय भी सुनिश्चित होना चाहिए। संघ के अध्यक्ष और सचिव द्वारा रखी गई सभी समस्याओं को कलेक्टर हर्ष सिंह ने गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया है कि वे अतिशीघ्र अधीनस्थ अधिकारियों की बैठक में वकीलों को हो रही असुविधा और परेशानी के इन सभी विषयों पर विचार विमर्श कर समुचित निर्देश पारित करेंगे।